Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 42–2021] CHANDIGARH, TUESDAY, OCTOBER 19, 2021 (ASVINA 27, 1943 SAKA)

PART – I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग

अधिसूचना

दिनांक 30 सितम्बर, 2021

संख्या 12/221-2018/pura/3613-17.– पंजाब प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग, अधिसूचना संख्या 12/221–2018–पुरा/957–62 दिनांक 5 अप्रैल, 2021, के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक को संरक्षित स्मारकों के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2,3,4,5 तथा 6 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित स्मारक क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं:–

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील तथा जिले का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किये जाने वाला क्षेत्र	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
प्राचीन टीला कर्णकोट	प्राचीन टीला कर्णकोट	भट्टू	टोहाना, फतेहाबाद	22 14/1 14/2 15/1 15/2 16/1 16/2 17/1 24 25 23 11 12 19/1 19/2 20 21 22	**कनाल–मरला** 0 - 1 0 - 10 1- 18 6 - 2 1 - 10 6 - 10 1 - 0 1 - 0 8 - 0 8 - 0 4 - 8 1 - 10 5 - 10 8 - 0 8 - 0 8 - 0 70 - 8 8 एकड़ 6 कनाल 8 मरला	निजी	तहसील टोहाना के गांव भट्टू कलां में अवस्थित एक प्राचीन टीला, जिसे सामान्यतया कर्णकोट के नाम से जाना जाता है। शहर टोहाना की पहचान पाणिनि द्वारा बताई गई प्राचीन तौशायण से की जाती है। यह शहर कुरू के पतन के बाद हिसार, सोनीपत और रोहतक जैसे अन्य शहरों के साथ नन्दो और मौर्यो के अधीन आ गया था। इस क्षेत्र से कुषाण से गुप्त काल के पुरातात्विक अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। संभवतः यह टीला उस समय के गढ़वाले क्षेत्र पर है। 9वीं या 10वीं शताब्दी के पुराने मन्दिर के अवशेष और लाखोरी ईटों से बना कुआं जो मुगलकालीन (17वीं भाताब्दी ईसवी) है, के अवशेष भी गॉव से प्राप्त हुए हैं।

डॉ० अशोक खेमका,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS DEPARTMENT

Notification

The 30th September, 2021

No. 12/221-2018/pura/3613-17.— In exercise of the powers conferred by Sub-section (3) of Section 4 of the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to Haryana Government, Archaeology and Museums Department, notification Number 957-62 dated the 5th April, 2021, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below to be a protected monument and archaeological site and remains specified in columns 2, 3, 4, 5 and 6 and of the said Schedule to be protected area :-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/city	Name of tehsil and district.	Revenue Khasra / Kila number under protection.	Area to be protected	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Ancient Mound Karankot	Ancient Mound Karankot	Bhattu Kalan	Tohana, Fatehabad	22 14 /1 14/2 15/1 15/2 16/1 16/2 17 /1 24 25 23 11 12 19/1 19/2 20 21 22	K - M 0 - 1 0 - 10 1- 18 6 - 2 1 - 10 6 - 10 1 - 0 1 - 0 8 - 0 8 - 0 4 - 8 1 - 10 5 - 10 8 - 0 8 - 0 8 - 0 70- 8 8 Acre 6 Kanal 8 Marla	Private	An ancient mound, popularly known as Karankot, is located in village Bhattu Kalan at tehsil Tohana. The town Tohana is identified with ancient Taushayana mentioned by Panini. After the fall of Kurus, the town along with other towns like Hisar, Sonipat and Rohtak seems to have come under Nandas and Mauryas. Archaeological remains of Kushana to Guptas recovered from this area. Probably the mound is on the fortified area of that time. The remains of old temple datable to 9th-10th century AD and a brick well made on *Lakhori* Bricks datable to late Mughal (17th century AD), are also found from the village.

DR. ASHOK KHEMKA,
Principal Secretary to Government Haryana,
Archaeology and Museums Department.

9339—C.S.—H.G.P., Pkl.